आपकी निवेश यात्रा के लिए एक गाइड

ज़िन्दगी के लिए एसआईपी

HDFC MUTUAL FUND
BHAROSA APNO KA

# अपने **आर्थिक भविष्य** पर अपना नियंत्रण चाहते हैं, लेकिन कुछ समस्याएं हैं?

मेरे पास निवेश योग्य पैसा नहीं है.

म्यूच्युअल फ़ंड प्रोडक्ट्स बड़े उलझे हुए होते हैं.

मार्केट बहुत बढ़ चुका है.

क्या यह निवेश करने का सही समय है?

खरीदने के लिए कौन सी कीमत सही कीमत है?

म्यूच्युअल फ़ंड्स में निवेश करने की सोच रहे हैं, लेकिन अभी पहला कदम नहीं उठाया है? शायद आपने अपने दोस्तों को इसका फ़ायदा उठाते देखा है, लेकिन आप शुरू करने से हिचक रहे हैं.क्या कुछ सवाल आपको आगे बढ़ने से रोक रहे हैं?खैर, इस पुस्तिका को रचा गया है आपको इस दिशा में पूरा मार्गदर्शन देने के लिए.यह आपके तमाम सवालों,चिंताओं का जवाब देकर आपको म्यूच्युअल फ़ंड्स में निवेश करके संपत्ति बनाने की दिशा में पहला कदम बढ़ाने के लिए तैयार करेगी. हम यह मानते हैं कि आर्थिक सफलता पाने का मूल मंत्र है छोटे, सतत कदम बढ़ाना,जैसे कि एसआईपी शुरू करना.

जिस तरह जीवन में दैनिक रूटीन और लंबी अवधि की योजनाएं दोनों महत्त्वपूर्ण हैं, उसी तरह ये चीजें पूंजी बनाने के लिए भी जरूरी हैं. इसलिए इस पुस्तिका को पढ़िए और जानिए कि किस तरह एसआईपीज़ आपको अपने आर्थिक लक्ष्यों को पाने तथा संपत्ति सृजन की यात्रा को एक आत्मविश्वास के साथ शुरू करने में मदद कर सकते हैं.

# **म्यूच्युअल फ़ंड्स** का सरलीकरण

आपको निवेश की दुनिया काफी जटिल नज़र आ सकती है, जो अनजाने शब्दों की भाषा और भ्रमित करने वाले विकल्पों से भरी है. काश कोई तरीका होता जिससे फ़ायनांशियल एक्सपर्ट बने बिना निवेश किया जा सकता! म्यूच्युअल फ़ंड्स की दुनिया में आइए,यहां आपकी संपत्ति को बढ़ाने के लिए सीधे–सरल और आसान पहुंच वाले विकल्प हैं.

**इस आयडिया पर गौर कीजिए :**

कल्पना कीजिए, आप और आपकी सोसायटी के निवासी पैसा जमा करके जिम्नेशियम उपकरण खरीदते हैं. यहां हर कोई अपने लिए एक सेट अलग खरीदने के बजाए, आप अपने पैसों को इकट्ठा करके उस सेट को खरीदते हैं और फिर सब अपनी सुविधा के अनुसार उसका इस्तेमाल करते हैं.

म्यूच्युअल फ़ंड इस साझा उपकरण सेट की तरह है, लेकिन यहां आप सेट खरीदने के बदले स्टॉक्स,बॉण्ड्स या दूसरे एसेट्स में निवेश करते हैं.

म्यूच्युअल फ़ंड में प्रत्येक व्यक्ति को रिसर्च करने और निवेशों को चुनने की ज़रूरत नहीं पड़ती, उसके बदले एक प्रोफेशनल को नियुक्त किया जाता है जिसे फ़ंड मैनेजर कहा जाता है. वह आपके निवेश रूपी जहाज के कैप्टन की तरह होता है, जो कि फ़ंड के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए सूझ–बूझ के साथ तय करता है कि धनराशि का निवेश किस प्रकार करना है.

ग्रुप के प्रत्येक व्यक्ति का फ़ंड में एक हिस्सा होता है पाई के एक हिस्से की तरह. आपके हिस्से का मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि फ़ंड्स के निवेशों ने कितनी अच्छी कार्यकुशलता दिखाई है.

टीम के रूप में काम करने के इस नज़रिए की एक खूबी है आपके जोखिम को अनेक लोगों में बांटना या फैलाना. अपने सारे अंडों को एक टोकरी में न रखने की तरह,आपके पूरे पैसों को एक ही जगह निवेश नहीं करना चाहिए. इससे संभावित हानियों को कम से कम करने में मदद मिलती है.

**म्यूच्युअल फ़ंड्स इसलिए लोकप्रिय हैं**
**क्योंकि वे निवेश करने को सरल बनाते हैं :**

- आपको शुरू करने के लिए बहुत सारा पैसा नहीं चाहिए.
- आपको फ़ायनांशियल एक्सपर्ट बनने की ज़रूरत नहीं.
- आपको एक विविधिकृत पोर्टफोलियो का फ़ायदा मिलता है जहां जोखिम का फैलाव विभिन्न सेक्टर्स तक होता है.

# अपनी **आर्थिक यात्रा** को **एसआईपी** के साथ सरल बनाइए

ज़िन्दगी का सफर महंगा हो सकता है. अपनी हर महीने की ईएमआईज़, रुटीन खर्चों और अनपेक्षित खर्चों के बीच बचत और निवेश का मामला असंभव लग सकता है.लेकिन अगर आप शुरू में एकमुश्त बड़ी राशि लगाए बिना निवेश शुरू कर सकें तो कैसा रहेगा? लीजिए, आपके लिए एक खुशखबरी : आप ऐसा कर सकते हैं! कल्पना कीजिए,अगर निवेश करना अपने फ़ोन को रीचार्ज करने जैसा हो–छोटे,नियमित भुगतान जो समय के साथ बढ़ते जाएं. यह म्यूच्युअल फ़ंड्स द्वारा पेश की गई सिस्टेमैटिक इंवेस्टमेन्ट प्लान्स(एसआईपीज़) की शक्ति है.

## एसआईपीज़ इस प्रकार कार्य करता है:

- **छोटे निवेशों को स्वीकार करता है :** आप अपने लिए सुविधाजनक किसी छोटी सी राशि से शुरू कर सकते हैं, जो कि ₹ 500 प्रति माह जितनी छोटी राशि हो सकती है.
- **सततता ज़रूरी है :** अपने बैंक अकाउंट से ऑटोमैटिक ट्रांसफर्स सेट करें ताकि एक भी निवेश को चूकने की नौबत न आए.
- **धीरे–धीरे वृद्धि :** समय के साथ आपके छोटे–छोटे निवेश चक्रवृद्धि दर से बढ़कर भविष्य के लिए एक बड़ी पूंजी का रूप ले लेंगे.

## एसआईपीज़ के फ़ायदे :

- **किफ़ायती :** शुरू में बहुत कम राशि का निवेश करना पड़ता है, जिससे यह सभी के लिए आसान पड़ता है.
- **अनुशासित :** यह नियमित रूप से बचत और निवेश करने की आदत डालता है.
- **रुपी–कॉस्ट एवरेजिंग :** यह मार्केट नीचे होने पर अधिक यूनिट्स खरीदने तथा मार्केट के ऊपर होने पर कम यूनिट्स खरीदने में मदद करता है, जिससे आपको औसत लागत पर निवेश करने की क्षमता प्राप्त होती है.

## मैं कम भाव पर खरीदना और **अधिक** भाव पर बेचना चाहता हूं. खरीदने के लिए कौन सा भाव **सही** भाव है?

इक्विटी मार्केट्स में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं और ये आमतौर पर एक सायकिल में चलते हैं. वे बढ़ते हैं,ऊंचाई को छूते हैं और फिर नीचे का रुख करते हैं, बिलकुल निचले स्तर को छूते हैं और फिर तब दूसरा सायकिल शुरू होता है,लेकिन कोई भी यह नहीं बता सकता है कि कोई दौर कब तक जारी रहेगा. अफसोस की बात यह है कि किसी के पास भी ऐसी कोई क्रिस्टल बॉल नहीं है जो स्टॉक मार्केट में सही भाव की भविष्यवाणी कर सके. मार्केट में सही समय का इंतजार करने से बेहतर है कि लंबी–अवधि के नज़रिए जैसे कि एसआईपी पर फोकस किया जाए जो कि समय के साथ प्रति शेयर की औसत कीमत दिलाने में मदद करता है. इससे ऊंची कीमत पर खरीदने के प्रभाव को घटाया जा सकता है.

| महीना | निवेश की राशि | एनएवी | यूनिट्स की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | ₹5,000 | ₹10 | 500 |
| 2 | ₹5,000 | ₹12 | 417 |
| 3 | ₹5,000 | ₹10 | 500 |
| 4 | ₹5,000 | ₹8 | 625 |
| 5 | ₹5,000 | ₹10 | 500 |

एसआईपी के अंतर्गत, हर महीने या एक निश्चित अंतराल पर एक पूर्व–निर्धारित राशि का निवेश किया जाता है. जब किसी स्कीम का एनएवी कम होता है (मार्केट के नीचे होने पर) तो ज़्यादा यूनिट्स खरीदी जाती हैं और जब एनएवी अधिक होता है तो कम यूनिट्स. इस प्रकार एसआईपी आपको स्मार्ट तरीके से निवेश करने की सक्षमता दिलाता है और मार्केट सायकिल्स आपके पक्ष में काम करते हैं. अब बताइए आपने एक निवेशक के रूप में दिल ही दिल में यही तो चाहा है ना?

डिस्क्लेमर : आखिरी पेज देखें.

# मार्केट बहुत बढ़ गया है. क्या ये **निवेश करने का सही समय है?** मैं बाद में निवेश करूंगा...

आप कई बार किनारे पर बैठकर इंतजार करते हैं और सोचते हैं कि जब मार्केट में सुधार आएगा, तब आप निवेश करेंगे. लेकिन याद रखिए आपके मुनाफे आपकी लागत (या खरीद कीमत) के आधार पर चक्रवृद्धि दर से बढ़ते हैं.

**एसआईपी के मामले में, आपकी प्रत्येक किस्त से मौजूदा एनएवी के अनुसार खरीदारी होती है. मार्केट सायकिल के दौरान मार्केट के साथ एनएवी घटता या बढ़ता है.**

इसलिए किसी एसआईपी निवेशक के मामले में लंबी अवधि में औसत लागत अपेक्षाकृत कम होगी. इस कॉन्सेप्ट को आमतौर पर रुपी कॉस्ट एवरेजिंग के नाम से जाना जाता है. समय अवधि जितनी अधिक होगी, औसतीकरण यानी एवरेजिंग का फ़ायदा उतना ही अधिक होगा.

**कहने का मतलब यह है कि जितने जल्दी संभव हो निवेश करना शुरू करना चाहिए, जिससे आपके निवेश को बढ़ने के लिए पर्याप्त समय मिल सके.**

# मैं हॉलिडे पर जाना चाहता हूं.
# इसलिए मेरा अगले 6 महीने के लिए निवेश करने का कोई इरादा नहीं है.

ज़िन्दगी का मतलब है मजे करना, लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि भविष्य की ज़रूरतों से मुंह फेर लिया जाए.एसआईपीज़ वर्तमान और भविष्य की ज़रूरतों के बीच संतुलन कायम रखने के लिए एक बढ़िया समाधान पेश करता है.

**एसआईपीज़ दोनों को पाने में आपको इस प्रकार मदद कर सकता है :**

- **लंबी अवधि के लिए निवेश :** एसआईपी अंशदानों में निरंतरता बनाए रखने से आपको समय के साथ मार्केट सायकल्स के फ़ायदे मिलते हैं. नियमित रूप से निवेशित रहने पर आप मार्केट के उतार-चढ़ावों से गुजरते हुए आगे बढ़ते हैं और अपने लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे कि रिटायरमेन्ट या अपने बच्चे की शिक्षा के लिए एक महत्त्वपूर्ण पूंजी जमा करने में कामयाब होते हैं.

- **छोटी अवधि की ज़रूरतों को प्राथमिकता :** बेशक लंबी अवधि के लक्ष्य महत्त्वपूर्ण होते हैं,लेकिन छोटी अवधि की ज़रूरतों जैसे कि छुट्टियों पर जाना या बड़ी खरीदारी जैसे कि घर खरीदने के लिए डाउन पेमेन्ट्स को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है. आप अलग-अलग लक्ष्यों के लिए अलग-अलग एसआईपीज़ शुरू कर सकते हैं. अपने निकट भविष्य के लक्ष्य के लिए कम जोखिम वाले छोटी अवधि के फ़ंड को चुनें और लंबी अवधि के सपनों के लिए वृद्धि-उन्मुखी फ़ंड को चुनें.

- **अनुशासित और बजट-फ्रेंडली रहें :** एसआईपीज़ आपको नियमित रूप से बचत करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, आपको अपने आर्थिक प्लान पर बने रहने में मदद करते हैं. निश्चित, किफ़ायती किस्तें होने से आपको अपनी मौजूदा लाइफ़स्टाइल से कोई समझौता किए बिना अपने बजट में रहने की क्षमता मिलती है. और आप 'अभी खरीदो, बाद में चुकाओ' जैसी स्कीम्स या क्रेडिट कार्ड्स के खर्चों की ओर आकर्षित नहीं होते हैं.

उच्च शिक्षा

विदेश में छुट्टियां

होम डाउन पेमेन्ट

रिटायरमेन्ट

# क्या मेरी छोटी राशियां **बढ़कर बड़े लक्ष्य लायक राशि बन जाएगी?**

कंपाउंडिंग किसी एसेट की आमदनी अर्जित करने की क्षमता है, जिसे फिर से निवेशित किया जाता है ताकि वह भी आमदनी अर्जित कर सके. समय अवधि जितनी लंबी होगी, आमदनी भी उतनी ही अधिक होगी.

इसलिए, रुपी कॉस्ट एवरेजिंग तथा कंपाउंडिंग के फ़ायदे को लंबी समय अवधि की शक्ति देने से आपके निवेशों को बढ़ने में मदद मिलेगी.

अगर रिया ने **35** वर्ष की उम्र में निफ्टी 50 इंडेक्स में 1 जून 1999 से (25 वर्ष से अधिक के लिए) **₹10,000** का मासिक एसआईपी शुरू किया होता

उसने 25 वर्षों में कुल **₹30 लाख** का निवेश किया होता

निफ्टी 50 इंडेक्स ने 14.76% का सीएजीआर दिया है

25 वर्ष बाद **60 वर्ष** की उम्र में उसके रिटायरमेन्ट के समय
उसके निवेश का मूल्य लगभग **₹2.6 करोड़** होता.

एसआईपी कैलकुलेटर को
आजमाने के लिए यहां स्कैन करें

स्रोत : एमएफआई एक्सप्लोरर
पिछली कार्यकुशलता भविष्य में जारी रह या नहीं भी रह सकती है तथा भविष्य में किसी आमदनी की कोई गारण्टी नहीं है. एचडीएफसी एएमसी/एचडीएफसी म्यूच्युअल फ़ंड स्कीम/म्स में किए गए निवेशों पर किसी सांकेतिक आमदनी की गारण्टी/प्रस्ताव/संदेश नहीं दे रहा है.

14.76% की आमदनी की दर की गणना निफ्टी 50 में 01/06/1999 से 01/05/24 तक प्रत्येक माह के आरंभ में निवेशित ₹10,000 की एसआईपी राशि का इस्तेमाल करते हुए की गई है. चूंकि निफ्टी 50 टीआरआई डेटा जून 1999 के लिए उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए कार्यकुशलता की गणना जून 1999 के लिए निफ्टी 50 पीआरआई वैल्यूज़ तथा जुलाई 1999 से टीआरआई वैल्यूज़ का इस्तेमाल करके की गई है.

कंपाउंडिंग की शक्ति को समझाने के लिए उपरोक्त गणनाएं निफ्टी 50 इंडेक्स की वास्तविक आमदनियों पर आधारित हैं तथा इन्हें किसी न्यूनतम आमदनी तथा मूलधन की सुरक्षा का वादा नहीं समझा जाना चाहिए.

# मार्केट्स गिर रहे हैं!
# मैं रिडीम करना चाहता हूं!

आपकी निवेश यात्रा के दौरान मार्केट कई बार गिरेगा. यह स्वभाविक है, लेकिन इससे आपके मन में भय या पछतावे के बादल मंडरा सकते हैं. फिर भी याद रखिए, मार्केट में आने वाले गिरावट के दौर आपको और अधिक यूनिट्स जमा करने का मौका देते हैं, जो मार्केट में सायकल का रुख बदलने पर आपको वृद्धि दिलाएंगे.

मार्केट के गिरने पर अपनी एसआईपीज़ को रोकने की गलती मत कीजिए. इसे जारी रख कर अपने आर्थिक लक्ष्य की तरफ बढ़ते रहिए. अगर आप एसआईपीज़ बंद करने की गलती करेंगे तो दोबारा शामिल होना बहुत मुश्किल होगा और आप अपनी मंजिल की ओर बढ़ने से भटक जाएंगे.

# इसे बनाते जाइए
# **वर्ष दर वर्ष**

अपने जोखिम लेने की क्षमता तथा आमदनी के अनुसार आप अपनी एसआईपी शुरू कर सकते हैं. मान लीजिए ₹500/– से.

**हर साल अपनी आमदनी के बढ़ने के अनुसार, आप अपने निवेश को बढ़ाने की सोच सकते हैं.**

# अपनी संपत्ति को **बढ़ाते जाइए एसआईपी टॉप अप** के ज़रिए

एसआईपी टॉप अप एक तरफ यह सुनिश्चित करते हैं कि आपके निवेश महंगाई के साथ कदम मिलाकर बढ़ते रहें, तो दूसरी तरफ आपकी बढ़ती आमदनी के साथ भी ताल मिलाते रहें. आपकी आमदनी के बढ़ने पर हर बार एसआईपी की राशि को एडजस्ट करने की जगह, एसआईपी टॉप अप इस प्रक्रिया को एक ऑटोमैटिक रूप देता है.

10% की सालाना वृद्धि के साथ, यह आपके निवेशों की क्रय शक्ति को बनाए रखता है, आपके आर्थिक लक्ष्यों को हासिल किए जाने योग्य बनाता है और समय के साथ कंपाउंडिंग की शक्ति का लाभ दिलाता है. इस अनोखी विशेषता के साथ एक आर्थिक अनुशासन को अपनाइए और बदलाव को सहजता से ग्रहण कीजिए.

| | 25 वर्ष | | | |
|---|---|---|---|---|
| | वर्तमान एसआईपी | % वृद्धि प्रति वर्ष | कुल निवेशित राशि | 25 वर्ष बाद कुल निवेश* |
| नियमित एसआईपी | ₹10,000 | – | ₹30,00,000 | ₹2,62,65,198 |
| बढ़ाया जाने वाला एसआईपी | ₹10,000 | 10% | ₹1,18,01,647 | ₹5,39,62,300 |

स्रोत : एमएफआई एक्सप्लोरर

पिछली कार्यकुशलता भविष्य में जारी रह या नहीं भी रह सकती है तथा भविष्य में किसी आमदनी की कोई गारण्टी नहीं है. एचडीएफसी एएमसी/एचडीएफसी म्यूच्युअल फ़ंड स्कीम/म्स में किए गए निवेशों पर किसी सांकेतिक आमदनी की गारण्टी/प्रस्ताव/संदेश नहीं दे रहा है.

आमदनी  की गणना निफ्टी 50 में 01/06/1999 से 01/05/24 तक प्रत्येक माह के आरंभ में निवेशित रु.10,000 की एसआईपी राशि का इस्तेमाल करते हुए की गई है. एसआईपी टॉप अप की गणना प्रत्येक वर्ष मासिक निवेश में 10% की वृद्धि के साथ की गई है.

चूंकि निफ्टी 50 टीआरआई डेटा जून 1999 के लिए उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए कार्यकुशलता की गणना जून 1999 के लिए निफ्टी 50 पीआरआई वैल्यूज़ तथा जुलाई 1999 से टीआरआई वैल्यूज़ का इस्तेमाल करके की गई है.

कंपाउंडिंग की शक्ति को समझाने के लिए उपरोक्त गणनाएं निफ्टी 50 इंडेक्स की वास्तविक आमदनियों पर आधारित हैं तथा इन्हें किसी न्यूनतम आमदनी तथा मूलधन की सुरक्षा का वादा नहीं समझा जाना चाहिए.

# एसआईपी **शुरू करने** की तरफ कैसे कदम बढ़ाएं?

किसी लक्ष्य के साथ एसआईपी को जोड़ना संपत्ति बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण साबित हो सकता है. इसलिए सबसे पहले यह तय कीजिए कि अपने आर्थिक लक्ष्य के रूप में आप कितनी राशि जमा करना चाहेंगे. बाकी सब तय करना आसान होगा–जैसे कि आपकी निवेश अवधि, एसआईपी की राशि तथा बारंबारता,तथा आपके लिए उपयुक्त एक फ़ंड. एसआईपी को संचालित करना बहुत ही सहज और सरल है.शुरू में अकाउंट खोलने की प्रक्रिया को पूरा करने के बाद यह एक स्थायी निर्देश देकर ऑटोमैटिक तरीके से हो सकता है.

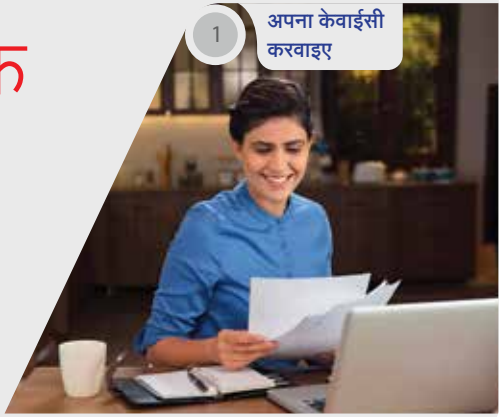

1 अपना केवाईसी करवाइए

2 लक्ष्य का मूल्य रुपयों में तय कीजिए

3 अपनी निवेश अवधि निर्धारित कीजिए

4 अपने फ़ायनांशियल एडवाइजर की मदद से एक उपयुक्त फ़ंड चुनिए

5 अपने एसआईपी के लिए बारंबारता तय कीजिए

6 अपनी एसआईपी की राशि तय कीजिए

7 एसआईपी की तिथि तय कीजिए

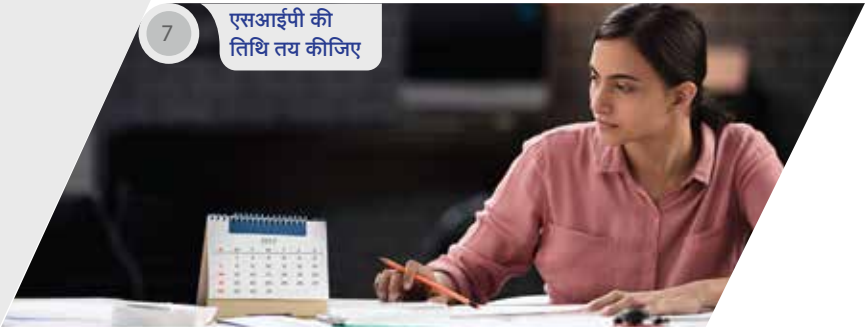

8 अपना आवेदन भौतिक रूप से या ऑनलाइन जमा कराइए और शुरू हो जाइए.

# निवेशक शिक्षा और जागरूकता अभियान

HDFC MUTUAL FUND
BHAROSA APNO KA

उपरोक्त सामग्री में दी गई जानकारी प्रत्येक महत्त्वपूर्ण तथ्य का संपूर्ण प्रतिनिधित्व नहीं करती है तथा यह केवल जानकारी के प्रयोजन हेतु दी गई है. इन्हें एचडीएफसी म्यूच्युअल फ़ंड की किसी सिक्योरिटीज़ और/या स्कीम(म्स)अन्य को खरीदने या बेचने से संबंधित सलाह या प्रस्ताव नहीं माना जाना चाहिए. उपरोक्त जानकारी तथा सामग्री को निवेश संबंधी जागरुकता और जानकारी के नज़रिए से ही पढ़ा जाना चाहिए. ये कथन हमारे वर्तमान विचारों पर आधारित हैं तथा इनके साथ ज्ञात और अज्ञात जोखिम तथा अनिश्चितताएं जुड़ी हैं जो कि वास्तविक परिणामों, कार्यकुशलता या घटनाओं को यहां कथनों में अभिव्यक्त या निहित से काफी भिन्न रूप दे सकते हैं. उल्लेख किए गए कानूनी/टैक्स संबंधी विवरण,अगर कोई हों,उत्तम प्रयासों के आधार पर दिए गए हैं तथा मौजूदा कानूनों के आधार पर हैं एवं समय-समय पर परिवर्तन के अधीन हैं.

उपरोक्त सामग्री केवल संबोधित व्यक्ति के इस्तेमाल के लिए है. अगर आप संबोधित व्यक्ति या संबोधित व्यक्ति तक जानकारी पहुंचाने हेतु जिम्मेदार व्यक्ति नहीं हैं तो इसका कोई प्रकटीकरण, प्रतिलिपीकरण,वितरण या इस पर विश्वास करके उठाया गया कोई कदम निषिद्ध है तथा यह गैरकानूनी माना जा सकता है.इसे पाने वाले को सलाह दी जाती है कि कोई निवेश निर्णय लेने से पहले अपने सलाहकार/टैक्स कंसलटेन्ट से परामर्श कर ले.

चार्ट,तस्वीरें तथा/या कोई ग्राफीय प्रतिनिधित्व,अगर कोई हो,तो वे केवल कॉन्सेप्ट को स्पष्ट करने के एकमात्र प्रयोजन से सचित्र पेशकश है तथा इसका इस्तेमाल किसी निवेश रणनीति बनाने या उस पर अमल करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए तथा इसे न ही किसी पार्टी के लिए निवेश सलाह के रूप में देखा जाना चाहिए.

---

म्यूच्युअल फ़ंड में निवेश करने के लिए, वन टाईम KYC की आवश्यकता को पूरा करने की प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी हेतु https://www.hdfcfund.com/information/ key-know-how पर विजिट करें. निवेशकों को केवल रजिस्टर्ड म्यूच्युअल फ़ंड में निवेश करना चाहिए, जिनके विवरण का सत्यापन सेबी की वेबसाइट (www.sebi.gov.in/intermediaries.html) पर किया जा सकता है. किसी पूछताछ, शिकायत तथा समस्या के समाधान के लिए निवेशक एएमसीज़ तथा/या निवेशक संपर्क अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं. इसके साथ ही, निवेशक एएमसीज़ को सीधे भी शिकायत कर सकते हैं, अगर वे एएमसीज़ द्वारा दिए गए समाधान से संतुष्ट न हों तो वे स्कोर्स पोर्टल https://scores.gov.in पर भी शिकायत कर सकते हैं. स्कोर्स पोर्टल निवेशकों को सेबी को ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने तथा तत्पश्चात इसकी स्थिति को देखने की सुविधा प्रदान करता है. अगर निवेशक सीधे एएमसीज़ से की गई या स्कोर्स पोर्टल के ज़रिए दर्ज शिकायतों पर समाधान से संतुष्ट न हों तो वह स्मार्ट ओडीआर पर https://smartodr.in/login शिकायत दर्ज कर सकता है.

---

**म्युचुअल फंड निवेश बाज़ार के जोखिमों के अधीन हैं,**
**योजना से जुड़े सभी दस्तावेज़ों को ध्यान से पढ़ें।**

एसआईपी के बारे में
अधिक जानने के लिए
यहां स्कैन करें